DAINIK JAGRAN

Romantic Destination Kerala

Date : 26.1.2020 | **Edition : Delhi** | **Page :** 3 | **Clip size (cm) : W:** 11 **H:** 8

रोमांटिक डेस्टिनेशंस

थोड़ा रोमानी हो जाएं

वैलेंटाइन डे आसपास ही है यानी हवाओं में रोमांस घुलने की तैयारी हो चुकी है। कुदरत भी बेरहम सर्दी के भंयकर दिनों से बाहर निकल वसंत के स्वागत में अपना शृंगार शुरू कर चुकी है। आपकी तैयारी हुई क्या? रोमांटिक प्रिय की तैयारी, अपने प्रिय के संग कुछ दिन, कुछ पल, जमाने भर से दूर बिताने के बारे में सोचा है कुछ? अगर नहीं, तो कोई बात नहीं। हम बताने जा रहे हैं कुछ ऐसी मंजिलों का पता, जो अपने रोमानी रंग में आपको रंगने में ज्यादा वक्त नहीं लगाएंगी।

दक्षिण भारत में रोमांटिक ठिकाने: दक्षिण के नजारे देखने कन्याकुमारी, बेंगलुरु, मैसूर, चेन्नई, कोवलम जाने वाले तो बहुत हैं और यही वजह है कि इन जगहों पर टूरिस्टों की अच्छी-खासी रेल-पेल रहती है, लेकिन आप नवविवाहित कपल हैं, तो यकीनन ऐसी डेस्टिनेशंस की तलाश में होंगे, जहां दक्षिण भारत की फील तो हो, मगर भीड़भाड़ अपेक्षाकृत कम हो। केरल के हिल स्टेशन मुन्नार का रुख करें। शहर की आपाधापी को पीछे छोड़ रास्ते कुछ ही देर में पहाड़ी मोड़ मुड़ने लगेंगे और आपको पता भी नहीं चलेगा कि कब पूरा समां खुद-ब-खुद रोमानी हो गया। मुन्नार का दीदार कराने वाले चाय-बागानों की हरियाली दिल में सुकून का एहसास भर देगी और आप मन ही मन खुद को सराहेंगे कि यहां आने में इतनी देर क्यों कर दी। हो सके तो किसी चाय बागान में हेरिटेज कॉटेज या बंगला रहने के लिए चुनें और मिनटों में पहुंच जाएं उस दौर में, जिसमें आज जैसी भगदड़ नहीं थी।

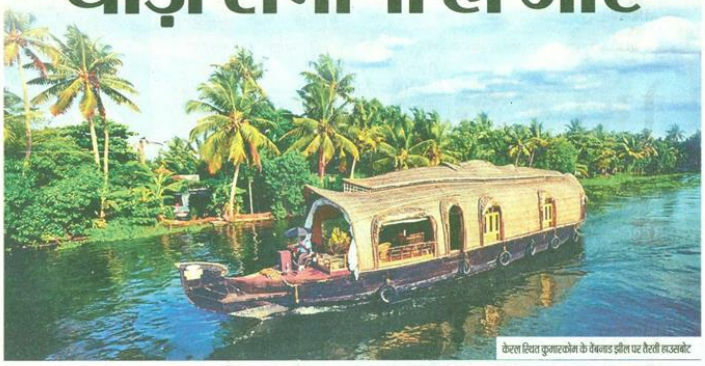

केरल स्थित कुमारकोम के वेंबनाड झील पर तैरती हाउसबोट

राजा सीट, कुर्ग

कुर्ग: यहां के नजारे आपको एक नई दुनिया में ले जाएंगे। कुर्गी खान-पान, भाषा, रहन-सहन उत्तर भारत से काफी अलग है। लिहाजा, तैयार हो जाइए, इस बार वैलेंटाइन को नए अंदाज में मनाने के लिए। हनीमून और रोमांस का मुहावरा कुर्ग पर पूरी तरह फिट बैठता है। कर्नाटक के इस इलाके में पहुंचने के लिए मेंगलौर, मैसूर या बेंगलुरु हवाई अड्डों/रेलवे स्टेशनों तक पहुंचने के बाद आगे का रास्ता कार से पूरा करें। कर्नाटक में पश्चिमी घाट की पहाड़ियों में बसा कुर्ग दिसंबर से फरवरी तक अपनी दिलफरेब वादियों और कुहासे में लिपटे कॉफी बागानों, जंगलों के लिए बेहद प्रसिद्ध है। दक्षिण की प्रमुख नदियों में से एक कावेरी की जन्मस्थली भी है कुर्ग। यहां पश्चिमी घाट की पहाड़ियों पर खड़े चंदन और सागौन के जंगलों का सौंदर्य बयान से परे है। हल्के-फुल्के पहाड़ी मोड़ काटती सड़कों से गुजरते हुए आपको दालचीनी, जायफल, चाय और कॉफी की महक जल्द से जल्द अपने कुर्गी ठिकाने पर पहुंचने का आमंत्रण देगी। कुर्ग के कॉफी या चाय बागानों में हेरिटेज स्टे चुनें या होटल, यह आपकी पसंद पर निर्भर करता है।

कुमारकोम: यहां प्रकृति बेलौस मुस्कुराती है और हवा में झूमते नारियल से लेकर बैकवॉटर्स तक की खूबसूरती इस धरती पर पहुंचने वाले मेहमानों से सीधे संवाद करती है। तो आप क्यों अब तक महरूम हैं हिंदुस्तान के उस प्रदेश से, जो देश का दिग्गज ट्रैवल डेस्टिनेशन बना हुआ है। इसका लैमून यानी बैकवॉटर्स प्रकृति का अनूठा उपहार है, जिसे ट्रैवलर्स डेस्टिनेशन बना देने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी गई है। हमारी मानिए, तो इस बार केरल में अलेप्पी पहुंच जाइए और कुमारकोम तक की हाउसबोट में कम से कम एक रात तो गुजारिए। यह अपनी किस्म का अनूठा अनुभव होगा, जब आप जमीन पर लोगों की भीड़ से कहीं दूर वेंबनाड झील के बदन पर तैरती हाउसबोट में बैकवॉटर का अनुभव लेंगे। इस बार इसी रोमांस को जीने चले आइए। इन हाउसबोटों में रहने और खाने-पीने का पूरा इंतजाम होता है। पानी में दिन-रात तैरती आपकी हाउसबोट वाकई अपने आप में गुम हो जाने का मौका देगी। एक रात हाउसबोट के नाम कर चूकने के बाद कुमारकोम आइलैंड पर अपने बजट के मुताबिक होटल/ रिजॉर्ट चुनें। यहां बर्ड सैंक्चुअरी में समय बिताएं या झील के किनारे बैठकर अपने आप में गुम होने का ख्याल भी कुछ बुरा नहीं है।

केरल के कुमारकोम का दृश्य

उदयपुर की पिछोला झील

उदयपुर: रोमांटिक डेस्टिनेशंस का जिक्र हो और राजस्थान पीछे रह जाए, ऐसा मुमकिन ही नहीं है। इस रेगिस्तानी प्रदेश में भी अगर सबसे खास कुछ है तो वह है उदयपुर। पिछोला झील ने इसे सौंदर्य दिया है और शाम घिरने पर इसके बदन पर गिरती आसपास के होटलों-रिजॉर्ट की बत्तियां पूरा समां रोमानी बना देती हैं। दिनभर पैरों से इसकी गलियां नापिए, रंग-रंगीले राजस्थानी जेवरी-चूड़ियों और लहंगों-दुपट्टों की खरीदारी में डूबिए या फिर कुछ भी मत करिए। यूं ही जहां दिल चाहे घूमिए। पुरानी हवेलियों को निहारिए, खूबसूरत शॉपिंटी से सजी गलियों को देख आइए और हर शाम झील के किनारे किसी मौके की जगह पर अपना अड्डा जमा लीजिए। शांत झील के बदन को हौले से दुलारकर जाती हवा से झिलमिलाती रोशनियों का संसार आपको लुभाएगा। अपने हमसफर की आंखों में आंखें डालकर गुम हो जाइए और उतर आइए अपनी रोमानी शाम को और भी हसीन बनाने की खातिर। बस, यह ख्याल रखिएगा कि दिन सुहाने होंगे, मगर रातें जालिम सर्दी को अभी भूली नहीं हैं। गरम कपड़ों को ले जाना याद रखें और मीठी-मीठी बातों में डूबकर, सुनहरे भविष्य के ख्वाब बुनें। उदयपुर की पिछोला झील और इसका किनारा ऐसी कितनी ही जोड़ियों के ख्वाबों में सजता आया है।

राधानगर बीच

अंडमान: अंडमान के द्वीपों पर भी बुरा नहीं है रोमांस का ख्याल। उत्तर भारत के शहरों से काफी दूर है अंडमान द्वीप समूह। पोर्टब्लेयर तक हवाई सफर के बाद अंडमान के कितने ही द्वीपों में निकल जाने के रास्ते खुलते हैं। हैवलॉक द्वीप पर पहुंचकर आपको लगेगा जैसे एक अलग ही दुनिया में पहुंच गए हैं। एक तो इन ठिकानों पर पहुंचना ही अपने आप में रूमानी अनुभव है, उस पर वहां पहुंच जाना भी आपको अलग दुनिया में ले जाएगा। हैवलॉक के राधानगर बीच का अद्भुत सौंदर्य और उस तट से झांकता सूर्यास्त का नजारा आपको अपने प्रिय के संग कहीं दूर निकल जाने का निमंत्रण देगा। एकाध दिन इस द्वीप पर गुजारने के बाद नील आइलैंड की फेरी पकड़ें। यहां जिंदगी थमी-थमी, खरामा-खरामा सी दिखती है। अलबत्ता, समंदर के नीचे चले जाएं तो शायद दूसरी दुनिया के सिरे तक पहुंचकर भी हैरानगी खत्म नहीं होगी। अगर आपके लिए रोमांस की डगर एडवेंचर से होकर गुजरती है तो अंडमान के द्वीपों पर स्कूबा या स्नॉर्कलिंग का ख्याल कैसा रहेगा? एडवेंचर की पाठशाला में अपने प्रिय के साथ दिन गुजारें और अपने रोमांस को नया मुलम्मा चढ़ाएं। यहां आपको कई डाइविंग साइटें मिल जाएंगी। बंगाल की खाड़ी का ठंडे मारता समंदर और उस पर उमते-झुकते सूरज का नजारा आपकी यादों में हमेशा के लिए घुसपैठ कर चुका होगा। नील द्वीप तो बमुश्किल 19 वर्ग किमी. क्षेत्रफल में फैला है और इसकी अधिकतम चौड़ाई शायद 5 किमी. होगी। अगर आप अपने साथ टिश्यू, सन ब्लॉक, टैल्कम, छाता, टूथपेस्ट, ब्रश यानी कि रोज की जरूरत का कुछ भी सामान लाना भूल गए हैं, तो फिक्र की कोई बात नहीं है, जेटी से सीधे मार्केट पहुंचिए, जो खरीदना हो खरीदें और फिर साउथ इंडियन, नॉर्थ इंडियन, इजराइली, जर्मन यानी जो भी पसंद हो वह नाश्ता-भोजन यहां बेहद सस्ते में उपलब्ध है। सुबह सवेरे जरा जल्दी उठकर सीतापुर तट से सूर्यास्त का नजारा करने के बाद अपना दिन शुरू किया जा सकता है। दोपहर से पहले समंदर के दूसरी तरफ पहुंच जाइए, जहां नेचुरल ब्रिज है और लो टाइड के चलते समंदर अपने घुरे राज जैसे यहां उगल जाता है। समंदर का पानी यहां से उतरते ही मैरीन लाइफ की जैसे प्रदर्शनी लग जाती है। टूक-टूक की सवारी तय कर लीजिए और इस नन्हे से द्वीप के हर राज से वाबस्ता हो जाइए। और हां, यह बताना तो हम भूल ही गए कि नील ने अपने सीने में अभी और भी बहुत से हैरतंगेज अनुभवों को छिपा रखा है। वॉटर स्पोर्ट्स के लिए यह टापू हैवलॉक को भी पीछे छोड़ देता है। सूर्यास्त के लिए लक्ष्मणपुर तट का रुख करें। इस तट पर रौनक भी होती है।

अलका कौशिक, राइटर, ब्लॉगर